

प्रेषक,

भास्करानन्द,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
नैनीताल।
राजस्व अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक २९ जुलाई, 2013

विषय— जनपद नैनीताल के हल्द्वानी में सरस मार्केट स्थित राजकीय भूमि में से कुल 0.103 है 0 (1034 वर्गमीटर) भूमि राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय परिसर एवं पंचकर्म यूनिट निर्माण हेतु आयुष विभाग के नाम निःशुल्क हस्तान्तरित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्र सं0-5/11-खाम/2013 दिनांक 23-02-2013 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, जनपद नैनीताल के अन्तर्गत राजस्व ग्राम हल्द्वानी खास नॉन जोड0ए0, परगना भाबर छ: खाता, तहसील हल्द्वानी के खेवट खाता संख्या-1 खाम रटेट, वर्ग-2(ग) खुदकाश्त के खाता संख्या-1 पर तराई भाबर के नाम खसरा संख्या-470 मध्ये कुल रकबा 0.103 है 0 (1034 वर्गमीटर) भूमि, जो कैम्प कार्यालय, मा० आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल के नाम दर्ज अभिलेख है, को वित्त अनुभाग-3 के शासनादेश संख्या-260/वित्त अनुभाग-3/2002 दिनांक 15-2-2002 में निहित प्राविधानों एवं आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन की सहमति/अनापत्ति के दृष्टिगत निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अनुसार, आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन को निःशुल्क हस्तान्तरण की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1— भूमि पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत न हो।
- 2— जिस परियोजना के लिए भूमि हस्तान्तरित की जा रही है वह एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिए शासन से सहमति प्राप्त हो चुकी है।
- 3— हस्तान्तरित भूमि यदि प्रस्तावित कार्य से भिन्न प्रयोजन के लिए उपयोग की जाये तो उसके लिए मूल विभाग से पुनः अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- 4— यदि भूमि की आवश्यकता न हो या 3 वर्षों तक हस्तान्तरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए उपयोग में नहीं लायी जाती है तो वह मूल विभाग में स्वतः ही निहित हो जायेगी।
- 5— जिस प्रयोजन हेतु भूमि हस्तान्तरित की जा रही है उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु किसी अन्य व्यक्ति संस्था, समिति अथवा विभाग आदि को मूल विभाग की सहमति के बिना भूमि हस्तान्तरित नहीं की जायेगी।

40

6- जिस प्रयोजन हेतु भूमि आवंटित की जा रही है उसकी पूर्ति के उपरान्त यदि भूमि अवशेष पड़ी रहती है, तो मूल विभाग को उसे वापस लेने का अधिकार होगा।

7- प्रश्नगत भूमि पर वन संरक्षण अधिनियम लागू होने की दशा में भूमि के उपयोग का परिवर्तन गैर वानिकी कार्य हेतु तभी अनुमन्य होगा, जब उक्त अधिनियम के अन्तर्गत नियत प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर ली जायेगी।

8- प्रश्नगत नॉन जैड0ए० भूमि आवंटन के पूर्व जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम की धारा-132 के समकक्ष सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

9- इस सम्बन्ध में सिविल अपील संख्या-1132/2011 (एस0एल0पी०)/(सी) संख्या- 3109/2011 जगपाल सिंह एवं अन्य बनाम पंजाब राज्य व अन्य में मा० सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं अन्य संगत निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

10- आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तों के बिन्दु संख्या-१ से ९ में से किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिये कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में जनपद स्तर से निर्गत किये जाने वाले आदेश की प्रति शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

मवदीय,

(भास्करानन्द)
सचिव।

पू०प०संख्या-९३६ / समदिनांकित / 2013

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1- प्रमुख सचिव, आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

2- आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उत्तराखण्ड, देहरादून।

3- आयुक्त, कुमाऊ मण्डल, नैनीताल।

4- निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।

5- प्रभारी मीडिया केन्द्र, सचिवालय, देहरादून।

6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)
अनुसचिव।